

धर्ममूल पुं. (तत्.) धर्म का मूल या आधार; वेद।
धर्ममेघ पुं. (तत्.) योग में वह स्थिति जिसमें वैराग्य के अभ्यास से चित्त समस्त वृत्तियों से रहित हो जाता हो।
धर्मयज्ञ पुं. (तत्.) वह यज्ञ जिसमें किसी की बलि न दी जाए।
धर्मयुग पुं. (तत्.) सत्य युग।
धर्मयुद्ध पुं. (तत्.) 1. वह युद्ध जिसमें धर्म का पालन हो, न्यायपूर्ण युद्ध 2. धर्म की रक्षा के लिए किया जाने वाला युद्ध।
धर्मयूप पुं. (तत्.) विष्णु।
धर्मयोनि पुं. (तत्.) दे. धर्मयूप।
धर्मरक्षक पुं. (तत्.) दे. धर्मत्राता, धर्म की रक्षा करने वाला।
धर्मरत वि. (तत्.) धर्मानुयायी, धर्मपरायण।
धर्मराज पुं. (तत्.) 1. धर्म का पालन करने वाला, राजा 2. युधिष्ठिर 3. यमराज 4. जैनों के जिन देव 5. न्यायकर्ता, न्यायाधीश वि. धर्मशील।
धर्मरोधी वि. (तत्.) धर्मविरुद्ध, अन्याय।
धर्मलक्षण पुं. (तत्.) 1. धर्म के मूल चिह्न या लक्षण 2. वेद।
धर्मलिपि स्त्री. (तत्.) धर्म-प्रचार के लिए प्रयुक्त लिपि, जिस लिपि में कोई धर्म ग्रंथ लिखा गया हो।
धर्मलोप पुं. (तत्.) 1. धर्म की समाप्ति 2. अधर्म 3. अनाचार।
धर्मवत्सल वि. (तत्.) जिसे धर्म प्यारा हो प्रबो. राजा विक्रमादित्य धर्मवत्सल शासक थे।
धर्मवर्ती वि. (तत्.) धार्मिक, धर्माचरण करने वाला।
धर्मवाद पुं. (तत्.) धार्मिक विधि-विधान पर वाद-विवाद।
धर्मवान् वि. (तत्.) धर्मनिष्ठ, धर्मात्मा।
धर्मविद् वि. (तत्.) धर्मज्ञ, धर्मज्ञाता प्रबो. राजा ने अपनी सभा में कई धर्मविदों को आमंत्रित किया था।

धर्मविद्या स्त्री. (तत्.) धर्म संबंधी ज्ञान विधान, धर्म से संबंधित विद्या।
धर्मविधि स्त्री. (तत्.) धर्म संबंधी व्यवस्था, धर्म संबंधी विधि-विधान प्रबो. उनका विवाह हिंदू धर्मविधि के अनुसार हुआ।
धर्मविप्लव पुं. (तत्.) 1. धर्म का व्यतिक्रम 2. धार्मिक उथल-पुथल प्रबो. 11वीं शती भारतीय इतिहास का धर्मविप्लव काल है।
धर्मविवाह पुं. (तत्.) धार्मिक विधि-विधान से संपन्न विवाह।
धर्मवीर पुं. (तत्.) 1. धर्म के प्रति अडिग, धर्मपालन में सदा तत्पर, उत्साही व्यक्ति प्रबो. भक्त प्रह्लाद सच्चे धर्मवीर थे।
धर्मवृद्ध वि. (तत्.) अपने धर्माचरण द्वारा श्रेष्ठ मान्य व्यक्ति।
धर्मवैतंसिक पुं. (तत्.) वह जो अनैतिक तरीके से धन कमाकर अपने को धार्मिक दिखलाने के लिए बहुत दान-पुण्य करता हो।
धर्मव्यवस्था स्त्री. (तत्.) 1. धर्माचार्यों द्वारा किसी प्रश्न पर दिया गया निर्णय 2. निर्णय, फैसला।
धर्मव्याध पुं. (तत्.) महाभारत (वनपर्व) की कथा के अनुसार मिथिलावासी एक व्याध जिसने कौशिक नामक तपस्वी ब्राह्मण को धर्म का तत्व समझाया था।
धर्मव्रत वि. (तत्.) धर्मपरायण।
धर्मव्रता स्त्री. (तत्.) पातिव्रत्य की प्राप्ति के लिए घोर तप करने वाली धर्म नामक राजा की कन्या जिससे मारीचि ऋषि ने विवाह किया था।
धर्मशाला स्त्री. (तत्.) 1. यात्रियों के रुकने के लिए धर्मार्थ बना भवन प्रबो. सेठ जी ने कई धर्मशालाएँ बनवाई 2. वह स्थान जहाँ धर्मार्थ दीन-दुखियों को दान दिया जाता हो 3. न्यायालय।
धर्मशास्त्र पुं. (तत्.) धर्मग्रंथ जिसमें किसी धर्म विशेष के लोगों के लिए करणीय-अकरणीय, विधि-विधानों का निर्देश हो प्रबो. स्मृतियाँ हिंदुओं के धर्मशास्त्र हैं।